

राष्ट्रीय

समाचार



कानपुर • शनिवार • 24 जून • 2023

मत्स्य क्षेत्र में रोजगार विकसित करें सीएसए छात्र

र (एसएनबी)। चंद्रशेखर आजाद कृषि विद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. कुमार सिंह ने छात्रों से कहा कि वह मत्स्य नई नई तकनीकों सीख कर मत्स्य पालकों गर्जक करें। साथ ही उन्होंने छात्रों से मत्स्य रोजगार विकसित का आह्वान किया। सीएसए के अधीन महाविद्यालय एवं

केन्द्र का निरीक्षण करते हुए कुलपति नंद कुमार सिंह ने महाविद्यालय में चल रहे के रिसर्च प्रोजेक्ट को देखने के बाद उन्हें हेत किया। उन्होंने कहा कि छात्र मत्स्य क्षेत्र नई तकनीकों सीख कर मत्स्य पालकों को करें। मत्स्य क्षेत्र में रोजगार विकसित कर को रोजगार उपलब्ध करायें। कुलपति ने फार्म का निरीक्षण करते हुए कहा कि विद्यालय के तालाबों में पाली जारही मछलियों

सीएसए के कुलपति ने किया
मत्स्य महाविद्यालय का निरीक्षण

का क्यूआर कोड जारी कर किसानों व विभाग को उपलब्ध कराएं, जिससे कोई भी व्यक्ति उन प्रजातियों के बारे में जान सके। कुलपति ने कहा कि मत्स्य पालन के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। इस पर ध्यान दिया जाये। उन्होंने

मत्स्य महाविद्यालय के शिक्षकों से कहा कि वह निष्ठा के साथ काम करते हुए छात्रों को स्टार्टअप के

माध्यम से स्वरोजगार स्थापित करने को प्रेरित करें। यहां महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. जे.पी. यादव ने कुलपति को अंगवस्त्र व स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। कुलपति ने कृषि अभियंत्रण दुग्ध एवं डेयरी महाविद्यालयों के साथ कृषि विज्ञान केन्द्रों का निरीक्षण भी किया। इस दौरान उनके साथ डॉ. ध्रुव कुमार, डॉ. कैलाश चंद्र, डॉ. अरुण कुमार, अमरजीत पाल, अनिल कुमार, रोहित रंजन, डॉ. एनके शर्मा, डॉ. वेदप्रकाश आदि थे।

दैनिक

शाहर दायरा न्यूज़

हिन्दी/अंग्रेजी द्विभाषीय

<https://www.facebook.com/shahardayaranews/>

वर्ष 8 अंक: 258

कानपुर, शनिवार 24 जून 2023

पृष्ठ: 8

मूल्य-2.00

कुलपति ने दुग्ध महाविद्यालय तथा कृषि विज्ञान केंद्रों का किया निरीक्षण



कानपुर। सीएसए के अधीन संचालित मत्स्य महाविद्यालय एवं शोध केंद्र के प्रथम भ्रमण के दौरान कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने प्रसन्नता जाहिर की उन्होंने महाविद्यालय में चल रहे छात्रों के रिसर्च प्रोजेक्ट को देखा और छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आप लोग मत्स्य छेत्र में नई नई तकनीकियों को सीख कर मत्स्य पालकों को जागरूक करें आप मत्स्य छेत्र में रोजगार को विकसित कर और लोगों को रोजगार उपलब्ध करें कुलपति ने मत्स्य फार्म पर निरीक्षण किया और निर्देशित किया कि महाविद्यालय के तालाबों में पाली जा रही मछलियों का क्यूआर कोड जारी कर किसानों एवं विभागों में उपलब्ध कराएं जिससे कोई भी व्यक्ति उपरोक्त प्रजाति के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकें। अंत में कुलपति ने अधिष्ठाता कक्ष में मत्स्य महाविद्यालय में कार्यरत शिक्षकों का परिचय प्राप्त कर निर्देशित किया कि आप लोग इसी प्रकार निष्ठा से कार्य करते हुए छात्रों को

स्टार्टअप के माध्यम से स्वरोजगार के प्रति जागरूक करें उन्होंने कहा कि मत्स्य छेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं भ्रमण के अंत में महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ जेपी यादव ने कुलपति को वस्त्र अंग एवं स्मृति चिन्ह दे कर स्वागत किया तत्पश्चात कृषि अभियंत्रण दुग्ध एवं डेयरी महाविद्यालयों के साथ कृषि विज्ञान केंद्रों का भी निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान वैज्ञानिकों को उत्कृष्ट कार्यों हेतु दिशा निर्देश दिए निरीक्षण के दौरान साथ में मत्स्य महाविद्यालय के शिक्षक डॉ धर्म कुमार, डॉ कैलाश चंद्र, डॉ अरुण कुमार, अमर जीत पाल, अनिल कुमार, रोहित रंजन एवं कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज से अधिष्ठाता डॉ एनके शर्मा, दुग्ध महाविद्यालय से अधिष्ठाता डॉ वेद प्रकाश एवं डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ पी के भदौरिया, डा.एम के सिंह सहित अन्य वैज्ञानिक साथ रहे



મત્સ્ય છેત્ર મેં રોજગાર વિકસિત કરે

કુલપતિ ને વિવિ કે મત્સ્ય, કૃષિ અભિયંત્રણ, દુઃધ મહાવિદ્યાલય, કૃષિ વિજ્ઞાન કેંદ્રોનું કા નિરીક્ષણ કિયા

ગૈરીએજએજ

ચંદ્રશેખર આજાદ કૃષિ એવં પ્રૌદ્યોગિકી વિશ્વિદ્યાલય કાનપુર કે અધીન સંચાલિત મત્સ્ય મહાવિદ્યાલય એવં શોધ કેંદ્ર કે પ્રથમ ભ્રમણ કે દૌરાન કુલપતિ ડૉ આનંદ કુમાર સિંહ ને પ્રસંગતા જાહીર કી । ઉન્હોને મહાવિદ્યાલય મેં ચલ રહે છાત્રોનું કે રિસર્ચ પ્રોજેક્ટ કો દેખા ઔર છાત્રોનું કો પ્રોત્સાહિત કરતે હુએ કહા કી આપ લોગ મત્સ્ય છેત્ર મેં નર્ફ નર્ફ તકનીકીયોનું કો સીખ કર મત્સ્ય પાલકોનું કો જાગરૂક કરે । આપ મત્સ્ય છેત્ર મેં રોજગાર કો વિકસિત કર ઔર લોગોનું કો રોજગાર ઉપલબ્ધ કરે । કુલપતિ ને મત્સ્ય ફાર્મ પર નિરીક્ષણ કિયા ઔર નિર્દેશિત કિયા કી મહાવિદ્યાલય કે તાલાબોનું મેં પાલી જા રહી મછલિયોનું કા ક્યૂઆર કોડ જારી કર કિસાનો એવં વિભાગોનું મેં ઉપલબ્ધ કરાએ જિસસે કોઈ ભી વ્યક્તિ ઉપરોક્ત પ્રજાતિ કે બારે મે જાનકારી પ્રાપ્ત કર સકે । અંત મેં કુલપતિ ને અધિષ્ઠાતા કક્ષ મેં મત્સ્ય મહાવિદ્યાલય મેં કાર્યરત શિક્ષકોનું કા પરિચય પ્રાપ્ત કર નિર્દેશિત કિયા કી આપ લોગ ઇસી પ્રકાર નિષા સે કાર્ય કરતે હુએ , છાત્રોનું કો સ્ટાર્ટઅપ કે માધ્યમ સે સ્વરોજગાર કે પ્રતિ જાગરૂક કરે । ઉન્હોને કહા કી મત્સ્ય છેત્ર મેં રોજગાર કી અપાર સંભાવનાએં હેણે ભ્રમણ કે અંત મેં મહાવિદ્યાલય અધિષ્ઠાતા ડૉ જેઠો પીઠો યાદવ ને કુલપતિ કો વટ્ટ અંગ એવં સ્મૃતિ ચિન્હ દે કર સ્વાગત કિયા । તત્પશ્ચાત કૃષિ અભિયંત્રણ દુઃધ એવં ડેયરી મહાવિદ્યાલયોનું કે સાથ કૃષિ વિજ્ઞાન કેંદ્રોનું કો ભી નિરીક્ષણ કિયા । નિરીક્ષણ કે દૌરાન વૈજ્ઞાનિકોનું કો ઉત્કૃષ્ટ કાર્યો હેતુ દિશા નિર્દેશ દિએ । નિરીક્ષણ કે દૌરાન સાથ મેં મત્સ્ય મહાવિદ્યાલય કે શિક્ષક ડૉ ધ્રુવ કુમાર, ડૉ કેલાશ ચંદ્ર, ડૉ અરુણ કુમાર, અમર જીત પાલ, અનિલ કુમાર, રોહિત રંજન, એવં કૃષિ ઇંજીનિયરિંગ કોલેજ સે અધિષ્ઠાતા ડૉ એનો કેઠો શર્મા , દુઃધ મહાવિદ્યાલય સે અધિષ્ઠાતા ડૉ વેદ પ્રકાશ એવં ડિપ્ટી રજિસ્ટ્રાર ડૉ પીઠો કેઠો ભદ્રારિયા, ડા.એમ કે સિંહ સહિત અન્ય વૈજ્ઞાનિક સાથ રહે ।



कुलपति ने दुग्ध महा विद्यालय तथा कृषि विज्ञान केंद्रों का किया निरीक्षण

कानपुर। सीएसए के अधीन संचालित मत्स्य महाविद्यालय एवं शोध केंद्र के प्रथम भ्रमण के दौरान कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने प्रसन्नता जाहिर की। उन्होंने महाविद्यालय में चल रहे छात्रों के रिसर्च प्रोजेक्ट को देखा और छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आप लोग मत्स्य छेत्र में नई नई तकनीकियों को सीख कर मत्स्य पालकों को जागरूक करें। आप मत्स्य छेत्र में रोजगार को विकसित कर और लोगों को रोजगार उपलब्ध करें कुलपति ने मत्स्य फार्म पर निरीक्षण किया और निर्देशित किया कि महाविद्यालय के तालाबों में पाली जा रही मछलियों का क्यूआर कोड जारी कर किसानों एवं विभागों में उपलब्ध कराएं जिससे कोई भी व्यक्ति उपरोक्त प्रजाति के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकें। अंत में कुलपति ने अधिष्ठाता कक्ष में मत्स्य महाविद्यालय में

कार्यरत शिक्षकों का परिचय प्राप्त कर निर्देशित किया कि आप लोग इसी प्रकार



निष्ठा से कार्य करते हुए, छात्रों को स्टार्टअप के माध्यम से स्वरोजगार के प्रति

जागरूक करें उन्होंने कहा कि मत्स्य छेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। भ्रमण के अंत में महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ जे० पी० यादव ने कुलपति को वस्त्र अंग एवं स्मृति चिन्ह दे कर स्वागत किया। तत्पश्चात् कृषि अभियंत्रण दुग्ध एवं डेयरी महाविद्यालयों के साथ कृषि विज्ञान केंद्रों का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वैज्ञानिकों को उत्कृष्ट कार्यों हेतु दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान साथ में मत्स्य महाविद्यालय के शिक्षक डॉ धृव कुमार, डॉ कैलाश चंद्र, डॉ अरुण कुमार, अमर जीत पाल, अनिल कुमार, रोहित रंजन, एवं कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज से अधिष्ठाता डॉ एन० के० शर्मा, दुग्ध महाविद्यालय से अधिष्ठाता डॉ वेद प्रकाश एवं डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ पी० के० भदौरिया, डा.एम के सिंह सहित अन्य वैज्ञानिक साथ रहे।

सीएसए कुलपति ने विश्व विद्यालय के अधीन संचालित मत्स्य, कृषि अभियंत्रण, दुग्ध महाविद्यालय तथा कृषि विज्ञान केंद्रों का किया निरीक्षण, दिए उत्कृष्ट बनाने के निर्देश

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित मत्स्य महाविद्यालय एवं शोध केंद्र के प्रथम भ्रमण के दौरान कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने प्रसन्नता जाहिर की। उन्होंने महाविद्यालय में चल रहे छात्रों के रिसर्च प्रोजेक्ट को देखा और छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आप लोग मत्स्य छेत्र में नई नई तकनीकियों को सीख कर मत्स्य पालकों को जागरूक करें। आप मत्स्य छेत्र में रोजगार को विकसित कर और लोगों को रोजगार उपलब्ध करें। कुलपति ने मत्स्य फार्म पर निरीक्षण किया और निर्देशित किया कि महाविद्यालय के तालाबों में पाली जा रही मछलियों का ब्यूआर कोड जारी कर किसानों एवं विभागों में उपलब्ध कराएं जिससे कोई भी व्यक्ति उपरोक्त प्रजाति के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकें। अंत में कुलपति ने अधिष्ठाता कक्ष में मत्स्य महाविद्यालय में कार्यरत शिक्षकों का परिचय प्राप्त कर निर्देशित किया कि आप लोग इसी प्रकार निष्ठा से



कार्य करते हुए, छात्रों को स्टार्टअप के माध्यम से स्वरोजगार के प्रति जागरूक करें। उन्होंने कहा कि मत्स्य छेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएँ हैं। भ्रमण के अंत में मत्स्यविद्यालय अधिष्ठाता डॉ. जे. पी. यादव

ने कुलपति को वस्त्र अंग एवं स्मृति चिन्ह दे कर स्वागत किया। तत्पश्चात कृषि अभियंत्रण दुग्ध एवं डेयरी महाविद्यालयों के साथ कृषि विज्ञान केंद्रों का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वैज्ञानिकों को

उत्कृष्ट कार्यों हेतु दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान साथ में मत्स्य महाविद्यालय के शिक्षक डॉ. धूव कुमार, डॉ. कैलाश चंद्र, डॉ. अरुण कुमार, अमर जीत पाल, अनिल कुमार, रोहित रंजन, एवं

कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज से अधिष्ठाता डॉ. एन. के. शर्मा, दुग्ध महाविद्यालय से अधिष्ठाता डॉ. वेद प्रकाश एवं डिप्टी रजिस्टर डॉ. पी. के. भद्रैरिया, डा. एम के सिंह सहित अन्य वैज्ञानिक साथ रहे।